हिन्दी न्यूज लेटर

खंड: I अर्द्धवार्षिक न्यूज लेटर जुलाई-दिसंबर, 2018

मूगा रेशमकीट बीज संगठन

केन्द्रीय रेशम बोर्ड
वस्त्र मंत्रालय : भारत सरकार
खानापारा, गुवाहाटी - 781022

कार्यालय प्रमुख के कलम से .....

मूगा रेशमकीट बीज संगठन(मूरेबीसं) एवं एरी रेशमकीट बीज संगठन(एरेबीसं), केन्द्रीय रेशम बोर्ड, खानापारा, गुवाहाटी देश के एक गण्यमान्य संस्थानों में से एक है। मूगा रेशमकीट बीज संगठन (मू.रे.बी.सं.) मूगा बुनियादी बीज उत्पादन के लिए पैतृक स्टॉक के रखरखाव के साथ ही विभिन्न राज्यों के रेशम विभागों एवं अभिगृहित बीज पालकों को इसकी आपूर्ति तथा सूक्षम मात्रा में व्यवसायिक बीज उत्पादन कर रहा है। वर्ष 2017-18 के दौरान, मूरेबीसं / एरेबीसं ने अपने अधीनस्थ इकाइयों के माध्यम से मूगा की मांग को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास किए। हालांकि, बीज उत्पादन के लक्षित उपलब्धि को प्रभावित करने वाली अधिकांश इकाइयों में बीज गुणा के पहले चरण के कार्यक्रम के दौरान कुल 2.658 लाख मूगा बुनियादी बीज और 1.222 लाख व्यवसायिक बीज क्रमश: पी -4 / पी -3 इकाइयों और मूरेबीकें द्वारा उत्पादित किए गए जबकि मूरेबीसं की सीधे पर्यवेक्षण के तहत निजी गेनर्स द्वारा 3.198 लाख मूगा रोमुच (2.702 लाख बुनियादी और 0.496 लाख व्यवसायिक) का उत्पादन किया गया। 88.0% की उपलब्धि के साथ वर्ष में कुल 6.568 लाख रोमूच का उत्पादन हुआ।

वर्ष के लिए कुल 6.876 लाख एरी बीज रोमुच का उत्पादन हुआ है, जिसमें से 0.932 लाख बुनियादी और 5.943 लाख व्यवसायिक रोमूच का उत्पादन हुआ, जिसे पूरे देश में विभिन्न पारंपरिक और गैर पारंपरिक राज्यों को आपूर्ति की गई हैं। एबीउके की कुल उपलब्धि 115.0% रहा है।

सेरी मॉडल ग्राम प्रोग्राम (एसएमवीपी) के तहत कच्चा रेशम उत्पादन मूगा 1.516 मीट्रिक टन और एरी 1.946 मीट्रिक टन है। विस्तार संचार कार्यक्रम में मूगा / एरी किसानों को उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ कीटपालन और बीजागार गतिविधियों के दौरान उनके सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं का समाधान करने के लिए 2 मूगा और 2 एरी कृषिमेलाओं का आयोजन किया गया। कृषकों के स्तर पर अपनाने हेतु संबंधित क्षेत्रों में बीज उत्पादन की बेहतर प्रौद्योगिकियों को लोकप्रिय बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कुल 20 मूगा और एरी जागरूकता कार्यक्रम और 20 क्षेत्र दिवस आयोजित किए गए। इसके अलावा, बोको में केरेबो बीज अधिनियम, 2006 पर एक जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था। क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत आयोजित प्रशिक्षण के माध्यम से, मूरेबीसं/ एरेबीसं. ने 77 मूगा और 40 एरी लाभार्थियों को कवर करके गुणवत्ता मूगा और एरी बीज के उत्पादन के लिए बेहतर बीज प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए कीटपालकों और निजी गेनर्स को प्रोत्साहित करने के लिए ठोस प्रयास किए गए।

गुणवत्ता बीज उत्पादन तादाद की तुलना में महत्वपूर्ण है। जलवायु परिवर्तन के कारण विशेष रूप से मूगा बीज उत्पादन में होने वाले विभिन्न बाधाओं को जैसे ग्रीष्मकालीन और सर्दियों के दिनों में संकोचन व विस्तार से निपटने के लिए, आगामी वर्षों में कई बैचों में मूगा बीज बनाने के लिए रणनीतिक योजना तैयार की गई है और मूरेबीसं गुणवत्ता मूगा और एरी बीज के उत्पादन और आपूर्ति की मांग को पूरा करने के लिए कठिन प्रयास करेगा।

बी. चौधुरी

(बी. चौधुरी)
वैज्ञानिक-डी एवं प्रमुख

मूरेबीसं, गुवाहाटी के तत्वावधान में दिनांक 04.09.2018 से 14.09.2018 तक क्षेत्रीय कार्यालय, केंरेबो एवं क्षेरेप्रौअकें, गुवाहाटी के साथ संयुक्त हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। संयुक्त हिन्दी पखवाडा के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे शब्दावली प्रतियोगिता, टिप्पणालेखन प्रतियोगिता एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। समापन समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए तथा मूल रूप से हिन्दी में किए गए कामकाज के लिए भी प्रोत्साहन योजना के तहत पुरस्कृत किया गया।

दिनांक-14.09.2018 को आयोजित संयुक्त हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह में वैज्ञानिक-डी एवं प्रमुख द्वारा राजभाषा का महत्व पर प्रकाश डालते हुए।

मूगा रेशमकीट बीज संगठन के तत्वावधान में , क्षेत्रीय कार्यालय, एवं क्षेत्रीय रेशम प्रौद्योगिकी अनुसंधान केन्द्र, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, खानापारा, गुवाहाटी द्वारा संयुक्त हिन्दी पखवाड़ा के दौरान दिनांक-11.09.2018 को संयुक्त हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 25 पदधारियो ने भाग लिया।

दिनांक-11.09.2018 को आयोजित संयुक्त हिन्दी कार्यशाला के उदघाटन सत्र के दौरान राष्ट्र गीत गाते हुए श्रीमती नीरू गगोई व श्री अमुल बरूआ

मूगा रेशमकीट बीज संगठन के देख-रेख में , गुवाहाटी में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दिनांक 01.10.2018 को आयोजित स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के उदघाटन सत्र में सभी पदधारियों को संबोधित करते हुए श्री एस के दास, सहायक निदेशक प्र व ले तथा मंच पर डॉ रीना चौधरी, वैज्ञानिक डी, श्री ए के पॉल, वैज्ञानिक डी, क्षेरेप्रौअकें, गुवाहाटी ।

दिनांक 02.10.2018 को गोहलकाना, बोको में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम **में भाग लेते हुए मुख्यालय एवं रेबीउकें, कलियाबारी के पदधारी व ग्रामीणों की एक झलक**

स्वच्छ भारत कार्यक्रम के तहत दिनांक 02.10.2018 को पी3, हहीम, द्वारा सुकुनियापारा में नवनिर्मित शौचालय मूरेबीसं, मुख्यालय, गुवाहाटी द्वारा ग्रामीण महिलाओं को समर्पित किया गया।

कार्यक्रम में भाग लेते हुए श्रीमती मीनापामेगाम व मूरेबीसं, मुख्यालय के श्री सोनाराम दास तथा श्री सुरजित कौशिक व अन्य।

दिनांक 02.10.2018 को गोहलकाना, बोको में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में भाग लेते हुए मुख्यालय एवं पी3 इकाई हाहिम कार्यालय के पदधारी एवं ग्रामीणों की एक झलक

स्वच्छ भारत कार्यक्रम के तहत दिनांक 02.10.2018 को रेबीउकें कलियाबारी, बोको द्वारा गोहलकाना, में नवनिर्मित शौचालय मूरेबीसं, मुख्यालय, क्षेका, गुवाहाटी द्वारा ग्रामीण महिलाओं को समर्पित किया गया।

कार्यक्रम में भाग लेते हुए मूरेबीसं, मुख्यालय के श्री हरकांत माली, श्री सोनाराम दास, व श्री सुरजित कौशिक व श्री एलबन दत्ता व अन्य।

दिनांक 02.10.2018 को सुकुनियापारा में पी3, इकाई , हहीम द्वारा स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गांव के प्रधान।

मूगा रेशमकीट बीज संगठन के तत्वावधान में क्षेत्रीय कार्यालय एवं क्षेत्रीय रेशम प्रौद्योगिकी अनुसंधान केन्द्र, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, खानापारा, गुवाहाटी में दिनांक-13.12.2018 को संयुक्त हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री बी एन चौधरी, वैज्ञानिक डी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता किया तथा मुख्य अतिथि की रूप में श्री बदरी यादव, प्रभारी, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, राजभाषा विभाग, गुवाहाटी ने भाग लिया।

संयुक्त हिन्दी कार्यशाला में प्रतिभागियों को व्याख्यान देते हुए, श्री बदरी यादव, प्रभारी, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, राजभाषा विभाग, गवाहाटी।

मूगा रेशमकीट बीज संगठन, मुख्यालय, गुवाहाटी के तत्वावधान में कृषकों को एरी संवर्धन की उन्नत प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं की ज्ञान उपलब्ध व प्रसार करने के लिए दिनांक 31.08.2018 को ढेकियाजुली, सोनितपुर में कृषि विज्ञान मेला का आयोजन किया गया। श्री के एम हनुमंतप्पा, अध्यक्ष, केंरेबो,वस्त्र मंत्रालय एवं श्री अशोक आनंद सिंघाल, डेकियाजोली चुनावी क्षेत्र के विधायक ने मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

श्री के एम हनुमंतप्पा, अध्यक्ष, केंरेबो,वस्त्र मंत्रालय, श्री अशोक आनंद सिंघाल, डेकियाजोली के विधायक एवं श्री बी चौधरी, वैज्ञानिक डी व प्रभारी द्वारा मूगा-एरी कृषि विज्ञान मेला में बुकलेट का विमोचन करते हुए

श्री के एम हनुमंतप्पा, अध्यक्ष, केंरेबो,वस्त्र मंत्रालय, श्री अशोक आनंद सिंघाल, डेकियाजोली के विधायक एवं श्री बी चौधरी, वैज्ञानिक डी व प्रभारी द्वारा एरी कृषि विज्ञान मेला के उदघाटन सत्र में दीप प्रज्वलन करते हुए।

दिनांक 31.12.2018 को ढेकियाजुली ,सुनितपुर में आयोजित एरी कृषि विज्ञान मेला में श्री बी चौधरी, वैज्ञानिक डी व प्रभारी द्वार स्वागत भाषण देते हुए।

<u>नव नियुक्त वैज्ञानिकों का प्रशिक्षण</u> (प्रथम सत्र) :

नव नियुक्त वैज्ञानिकों के लिए दिनांक 12.11.2018 से 17.11.2018 (प्रथम सत्र) तक मूलभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम एस आई पी आर डी, कहिकुची, गुवाहाटी में आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान एरी व मूगा संवर्धन, परपोषी पादाप प्रबंधन व रेशम कीटपालन, रेशम उत्पादन कोसोत्तर प्रौद्योगिकी तथा मूगा एवं एरी सेक्टार में उत्पाद विविधीकरण की जानकारी दी गई।

दिनांक 12.11.2018 से 17.11.2018 तक नव नियुक्त वैज्ञानिकों के लिए (प्रथम सत्र) एस आई पी आर डी, कहिकुची, गुवाहाटी में आयोजित मूलभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते हुए श्री बी एन चौधरी, वैज्ञानिक डी व प्रमुख एवं प्रतिभागीयों की एक झलक।

नव नियुक्त वैज्ञानिकों का प्रशिक्षण (द्वितीय सत्र) :

नव नियुक्त वैज्ञानिकों के लिए दिनांक 19.11.2018 से 24.11.2018 (द्वितीय सत्र) तक मूलभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम एस आई पी आर डी, कहिकुची, गुवाहाटी में आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान एरी व मूगा संवर्धन, परपोषी पादाप प्रबंधन व रेशम कीटपालन, रेशम उत्पादन कोसोत्तर प्रौद्योगिकी तथा मूगा एवं एरी सेक्टार में उत्पाद विविधीकरण की जानकारी दी गई।

नव नियुक्त वैज्ञानिकों के लिए दिनांक 19.11.2018 से 24.11.2018 तक (द्वितीय सत्र) एस आई पी आर डी, कहिकुची, गुवाहाटी में आयोजित मूलभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का एक झलक।

वर्ष 2017-18 के दौरान राजभाषा हिन्दी के बेहतरीन कार्य निष्पादन करने के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति गुवाहाटी से मूगा रेशम कीट बीज संगठन को प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुआ है, जिसे दिनांक 14.12.2018 को आयोजित 52वीं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, गुवाहाटी की बैठक में प्रदान किया गया।

दिनांक **14.12.2018** को आयोजित 52वीं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, गुवाहाटी की बैठक में अध्यक्ष ,नराभाकास के करकमलों से प्रशस्ति पत्र प्राप्त करते हुए श्री बी चौधरी, वैज्ञानिक डी व प्रभारी एवं श्री शेख रम्तु बाषा, सहायक निदेशक (राभा)

दिनांक 14.12.2018 को आयोजित 52वीं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, गुवाहाटी की बैठक में वर्ष 2017-18 के दौरान राजभाषा हिन्दी के बेहतरीन कार्य निष्पादन करने के लिए अध्यक्ष, नराभाकास के करकमलों से प्रशस्ति पत्र प्राप्त करते हुए श्री बी एन चौधरी, वैज्ञानिक डी व प्रभारी, क्षेत्रीय कार्यालय, केंरेबो, गुवाहाटी एवं श्री शेख रम्तु बाषा, सहायक निदेशक (राभा)

क्षेत्रीय दिवस

मूगा रेशम कीट बीज संगठन के तहत कार्यरत मूरेबीसं, पी3 इकाई, पाईलापुल ने सीएमजी, डारिमाहल, कसार जिला, असम मे दिनांक 29.12.2018 को एक विस्तार संचार कार्यक्रम यानी क्षेत्रीय दिवस का आयोजन किया गया।

श्री मृणाल कलिता, एडीएस, कछार जिला, ने समारोह की अध्यक्षता की। श्रीमती, लिपिका दास, विस्तार अधिकारी, सिलचर, कछार जिला ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। समारोह में कछार जिले के कई गांवों के 57 मुगा और एरी किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में केंरेबो और रेशम निदेशालय, कछार जिले के कई अन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

सम्मानित अतिथि ने अपने भाषण में किसानों से मूगा कीटपालन के माध्यम से अपनी आय के स्तर को बढ़ाने का आह्वान किया क्योंकि क्षेत्र में सर्दियों इस फसल उपयुक्त है और उन्होंने एमएसएसओ, पाइलपूल से विभिन्न तकनीकी जानकारियों को लेने के लिए कहा। उन्होंने कोकून बैंक की उपयोगिता के बारे में भी उल्लेख किया। डॉ निंगतोजम टीकेन सिंह, वैज्ञानिक - सी ने सफल कीटपालन के लिए तीन महत्वपूर्ण अपेक्षित बिंदुओं पर संकेत किया, जो उचित तकनीकी प्रबंधन के अलावा बीज, जन्मजात जलवायु और पत्तियों की गुणवत्ता से संबंधित रखते हैं। उन्होंने मूरेबीसं में उपलब्ध रोमुच की गुणवत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

एरी रेशम कीट की स्वादिष्ट खाध्य प्यूपा
Delicious pupa food of Eri Silkworm

एरी रेशम कीट *Samia ricini* Donovan पूर्वोत्तर भारत में भोजन का एक पारंपरिक स्रोत है, जिसे मुख्य रूप से रेशम और खाद्य उपयोग के लिए उगाया जाता है। असम के गोलपारा जिले की दुपदरा क्षेत्र संभावित एरी कीटपालन करने वाला क्षेत्र है, जिस का बाजार मूल्य भी अच्छा है। एरी कीटपालन, एरी-प्यूपा को निकालना तथा पूर्व प्यूपा को सप्ताहिक स्थानीय बजार में बिक्री करने का कार्य केवल महिलाएं ही कर रहे हैं।

रेशम सिल्क के लिए कीटपालकों द्वारा एरी कीटपालन किया जाता है। कीटपालकों को इस व्यवसाय पर पूरा भरोसा है और इससे आर्थिक उन्नति प्राप्त कर रहे हैं। यह देखा गया है की एरी कीटपालन, एरी प्री-प्यूपा निकालना और साप्ताहिक बाज़ार मे एरी प्री-प्यूपा की बिक्री कार्य मात्र महिलाएं कर रहे हैं। इसलिए एरी रेशम कीट पालन यहाँ की संस्कृति बन गई है तथा उत्तर-पूर्व भारत का यह कृषि आधारित उद्योग माना जाता है।

एरी पूर्व-प्यूपा गांओं के लोगों के लिए सुशादु प्रोटीन खाध्य स्त्रोत होता है, इसलिए एरी पूर्व-प्यूपा का बहुत ही मांग होता है और प्रति किलोग्राम एरी प्री-प्यूपा का वर्तमान बाज़ार में रु 450 से रु 500 तक का मूल्य होता है तथा ग्रामीण लोगों की प्रोटीन की आवश्यकता की पूर्ति के लिए बहुत अच्छी मांग है।

एरी प्यूपा की बिक्री

एरी प्यूपा की बिक्री

पोषक विश्लेषण से पता चला है कि एरी रेशम कीट की वर्तमान बाज़ार प्री-प्यूपा और प्री-प्यूपा के प्रोटीन तत्व का मूल्यांकन, एरिण्डा और केसेरू खाद्य पौदा का निम्न लिखित तादाद से मिला लिया गया है ।

पोषक विश्लेषण से पता चला है कि अरंडी या टैपिओका पर उगाए गए एरी रेशम कीट प्री-प्यूपा और प्यूपा की समीपवर्ती संयोजना तुलनीय थी और इसका उल्लेख नीचे किया गया है

एरी रेशम कीट में बहुत अच्छा प्रोटीन (16%), फेट्स (8%) और मूल्यवान खनिज द्रव्य की उपस्थिती है और मानब स्वस्थ के लिए उपयुक्त होता है । (टी लोंगवाह, 2011)

डॉ. बीरेंद्र नाथ सरकार, वैज्ञानिक -डी,
मू.रे.की.बी.सं गुवाहाटी-22

सेवा निवृत्त

श्री मुकुल चंद्र हजारिका, एम.टी.एस. का अधिवर्षिता आयु की प्राप्ति पर केन्द्रीय रेशम बोर्ड की सेवा से दिनांक-31.10.2018 को सेवा-निवृत्त हुए

मूरेबीसं, मुख्यालय, गुवाहाटी के प्रभारी श्री बी चौधरी, वैज्ञानिक डी द्वारा **श्री मुकुल चंद्र हजारिका, एमटीएस** को सम्मानित करते हुए।

पदोन्नति

डॉ बी एन सरकार, वैज्ञानिक डी

दिनांक 01.07.2018 को वैज्ञानिक सी से वैज्ञानिक डी पद पर पदोन्नति मिली है।

श्री एच के माली, अधीक्षक

दिनांक 02.07.2018 को क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी से अधीक्षक पद पर पदोन्नती के साथ मूरेकीबीसं, मुख्यालय, गुवाहाटी में स्थानांतरण हुए ।

स्थानांतरण :

श्री बी बी सिंह, वैज्ञानिक डी

दिनांक 02.07.2018 को एरेबीउकें, अजरा से पी2 एरी मूबीफा तोपाटाली में स्थानांतरण हुआ।

श्री मोहन भराली, वरिष्ठ क्षेत्र सहायक

दिनांक 01.08.2018 को पी4 इकाई, तुरा से पी3 इकाई, कोवाबिल में स्थानांतरण हुआ।

श्री दविन्सन मारक, तकनीकी सहायक

दिनांक 01.08.2018 को क्षेरेअकें, मेन्दीपथार से पी3 इकाई, रोमपारा में स्थानांतरण हुआ।

सुश्री डाली चौधरी, क्षेत्र सहायक

दिनांक 01.08.2018 को पी3 इकाई,पायलापूल से पी3 इकाई, नारायणपुरा में स्थानांतरण हुआ।

श्री तनुराम गोगोई , क्षेत्र सहायक

दिनांक 01.08.2018 को अविकें, उप इकाई, कोकराझार जोकि क्षेरेअकें, बोको के तहत कार्यरत है से पी3 मू बी फ, कोवाबिल में स्थानांतरण हुआ।

श्री जडुमनी हजारिका , वरिष्ठ क्षेत्र सहायक

दिनांक 01.08.2018 को अविकें, उप इकाई, कोकराझार जोकि क्षेरेअकें बोको के तहत कार्यरत है से पी3 मू बी फ, कोवाबिल में स्थानांतरण हुआ।

डॉ ममोनी सेनापति दास, वैज्ञानिक डी

दिनांक 03.08.2018 को मूएअवप्रसं लडाईघड से पी3 इकाई, काबुलोंग में स्थानांतरण हुआ।

श्री तिपुनेयों पुरोह, एमटीएस

दिनांक 10.08.2018 को अविके किकरूमा जोकि क्षेरेअकें, इकाई के तहत कार्यरत है से पी3 इकाई, काबुलोंग में स्थानांतरण हुआ।

डॉ. रीणा चौधुरी, वैज्ञानिक-डी की अधिवर्षिता आयु की प्राप्ति पर केन्द्रीय रेशम बोर्ड की सेवा से दिनांक-31.12.2018 को सेवा-निवृत्त हुए

मूरेबीसं, मुख्यालय, गुवाहाटी के प्रभारी श्री बी चौधरी, वैज्ञानिक डी द्वारा **डॉ. रीणा चौधुरी वैज्ञानिक-डी** को सम्मानित करते हुए।

स्थानांतरण :

श्रीमती नीलिमा थोसेन, तकनीक सहायक

दिनांक 13.08.2018 को अविके किकरूमा जोकि क्षेरेअकें, इम्पाल के तहत कार्यरत है से पी3 इकाई, काबुलोंग में स्थानांतरण हुआ

श्री मालेक अली, तकनीकी सहायक

दिनांक 13.08.2018 को एरेबीउकें, कलियाबारी से पी3 इकाई, नोगपोह में में स्थानांतरण हुआ।

श्री राजिब रॉय, क्षेत्र सहायक

दिनांक 13.08.2018 को पी3 इकाई मूरेबीसं, नारायणपुर से पी3 इकाई पायलापूल में स्थानांतरण हुआ।

श्री दिपेन कुमार बोरा, तकनीकी सहायक

दिनांक 13.08.2018 को पी3 इकाई मूरेबीसं, नोगपोह से रेबीउकें कलियाबारी में स्थानांतरण हुआ।

श्री एम शंकर, वैज्ञानिक डी

दिनांक 01.11.2018 को अविकें उप एकक कोकराझार से पी3 मू बी फ कोवाबिल में स्थानांतरण हुआ।

श्री जीते काकती, तकनीकी सहायक

दिनांक 01.11.2018 को अविकें, तुरा, से पी4 इकाई, तुरा में स्थानांतरण हुआ।

श्रीमती मीना पामेगम, वैज्ञानिक सी

दिनांक 01.11.2018 क्षेरेअकें, जोरहट से पी3 इकाई, हहीम में स्थानांतरण हुआ

श्री पी बोरपुजारी, वैज्ञानिक डी

दिनांक 01.11.2018 को अविकें, तुरा, से पी4 इकाई, तुरा में स्थानांतरण हुआ।

श्री अरना सिंह देवरी, तकनीकी सहायक

दिनांक 01.11.2018 को अविकें, तुरा, से पी4 इकाई, तुरा में स्थानांतरण हुआ।

श्री ताशी, एमटीएस

दिनांक 01.11.2018 को अविकें, तुरा, से पी4 इकाई, तुरा में स्थानांतरण हुआ।

श्री गोपालकृष्णा दास, तकनीकी सहायक

दिनांक 01.11.2018 को अविकें, तुरा, से पी4 इकाई, तुरा में स्थानांतरण हुआ।

श्री सुभाष दास , एमटीएस

दिनांक 01.11.2018 को अविकें, तुरा, से पी3 इकाई, तुरा में स्थानांतरण हुआ ।

श्री टी संगतम, स्टॉफ कार चालक, ग्रेड I

दिनांक 12.11.2018 को एरेबीउकें,कलियाबारी, बोको से मूगा रेशम कीट बीज संगठन, मुख्यालय, गुवाहाटी में स्थानांतरण हुआ।

राजभाषा नीति संबंधी प्रमुख निदेश

(राजभाषा विभाग के वर्ष 2019 – 20 के वार्षिक कार्यक्रम से संकलित)

1. राजभाषा अधिनियम,1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत संकल्प,सामान्य आदेश, नियम, अधिसूचनाएं, प्रशासनिक व अन्य रिपोर्टें, प्रेस विज्ञप्तियां, संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखी जाने वाले प्रशासनिक तथा अन्य रिपोर्टें, सरकारी कागजाद, संविदा, करार, अनुज्ञप्तियां, अनुज्ञा-पत्र, निविदा सूचनाएं और निविदा प्रपत्र द्विभाषीक रूप में, अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जारी किए जाएं। किसी प्रकार के उल्लंघन के लिए हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी को जिम्मेदार ठहराया जाएगा।
2. सभी प्रकार की वैज्ञानिक तकनीकी संगोष्ठियों तथा परिचर्चाओं आदि में वैज्ञानिकों आदि को राजभाषा हिन्दी में शोध पत्र पढने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाए। उक्त शोध पत्र संबद्ध मंत्राल/विभाग /कार्यालय अदि के पमुख्य विषय से संबंधित होने चाहिए।
3. 'क' तथा 'ख' क्षेत्रों में सभी प्रकार का प्रशिक्षण, चाहे वह अल्पावधि का हो अथवा दीर्घावधि का, सामान्यत: हिन्दी माध्यम से होना चाहिए। 'ग' क्षेत्र में प्रशिक्षण देने के लिए प्रक्षिक्षण सामाग्री हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार कराई जाए और प्रशिक्षणार्थी की मांग के अनुसार हिन्दी या अंग्रेजी में उपलब्ध कराई जाए।
4. सभी मंत्रालय/विभाग आदि हिन्दी के प्रयोग को बढावा देने के लिए चलाई गई प्रोत्साहन योजनाओं का अपने संबध एवं अधीनस्थ कार्यालयों में भी व्यापक प्रचार प्रसार करें ताकि अधिक से अधिक अधिकारी /कर्मचारी इन योजनाओं का लाभ उठा सकें और सरकारी कामकाज में अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में हो।
5. तिमाही प्रगति रिपोर्ट ऑनलाइन सिस्टम द्वारा प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के 30 दिन के भीतर राजभाषा विभाग को उपलब्ध करा दी जाए।
6. हिन्दी में कार्य करने में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए आयोजित की जाने कार्यशालाओं के संबंध में जारी किए गए नए दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्यशाला की न्यूनतम अवधि 01 कार्य दिवस की होगी। कार्यशाला में न्यूनतम दो तिहाई समय कार्यशाला से संबंधित विषयों पर हिन्दी में कार्य करने का अभ्यास करवाने में लगाया जाए। राजभाषा विभाग द्वारा कार्यशाला में प्रयोग हेतु कार्यशाला संदर्शिका वेबसाइट पर उपलब्ध करवाई गई है।
7. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की छमाही बैठकों में सदस्य कार्यालय के प्रशासनिक प्रमुख अनविार्य रूपसे भाग लें।
8. सभी मंत्रालय विभाग अपने संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों के बारे में वर्ष 2018-19 के वार्षिक कार्यक्रम से संबंधित समेकित अनुपालन रिपोर्ट राजभाषा विभाग को 31 मई, 2019 तक भिजवाना सुनिश्चित करें।
9. कार्यालय-प्रमुखों को कामकाज में मूल रूप से हिंदी का प्रयोग करने की पहल करनी चाहिए।
10. हिंदी भाषा का ज्ञान राजभाषा के कार्यान्वयन का आधार है। अत: सभी प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हिंदी भाषा प्रशिक्षण के लिए भी कम से कम एक सत्र होना चाहिए।
11. राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले सभी कागजात द्विभाषी रूप में एक साथ जारी करें और जारी करते समय यह ध्यान रखा जाए कि हिंदी रूपांतर, अंग्रेजी के ऊपर रहे।
12. हिंदीतर राज्यों में बोर्ड, साइन बोर्ड, नामपट्ट तथा दिशा संकेतकों के लिए क्षेत्रीय भाषा, हिंदी तथा अंग्रेजी, इसी क्रम में प्रयोग की जानी चाहिए।

संपादक

बी चौधरी रेशमकीट बीज संगठन, वैज्ञानिक डी व प्रमुख,

शेख रम्तु बाषा, सहायक निदेशक (राभा)

विभाष चन्द्र देव उच्च श्रेणी लिपिक

मूगा रेशम कीट बीज संगठन, केंरेबो रेशमनगर, खानापारा

वस्त्र मंत्रालय- भारत सरकार, गुवाहाटी- 781022